ईयू के साथ एफटीए से खुलेंगे नये अवसर : सीतारमण

यह पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता हमारे देश के लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा करेगा

नई दिल्ली, 28 जनवरी. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए मंगलवार को कहा कि इससे भारतीय नागरिकों के लिए अधिक अवसर पैदा होंगे. सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, वास्तव में यह एक मील का पत्थर है. यह पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता हमारे देश के लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा करेगा.

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए उनका धन्यवाद किया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व वाली वार्ता टीम के अथक परिश्रम की सराहना की. श्री मोदी ने यहां हैदराबाद हाउस में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन के साथ 16वें भारत- ईयू शिखर सम्मेलन के बाद संयुक्त वक्तव्य में इस समझौते की जानकारी देते हुए कहा, आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है. आज 27 तारीख है और यह सुखद संयोग है कि आज ही के दिन यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ भारत ये मुक्त व्यापार समझौता कर रहा है. यह सिर्फ व्यापार समझौता नहीं है. यह साझा समृद्धि का नया खाका है. सीतारमण ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि यह एफटीए बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और उभरती आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप हैं तथा भारत को एक विश्वसनीय और दूरदर्शी आर्थिक साझेदार के रूप में स्थापित करता है. यह भारत को 27 देशों के साथ एकीकृत करता है, जिससे 20 लाख करोड़ डॉलर के बाजार तक पहुंच खुलती है और विश्व के सबसे परिष्कृत उपभोक्ता आधारों में से एक में असीमित विकास संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त होता है.

> देश के उद्योग संगठनों ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मंगलवार को मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे निर्यात ज्यादा प्रतिस्पर्धी होगा और विकसित भारत के निर्माण में मदद मिलेगी. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में एक रणनीतिक सफलता का प्रतीक है और दो प्रमुख लोकतांत्रिक देशों और अर्थव्यवस्थाओं के बीच साझेदारी को और मजबूत बनाता है. दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा हैं.

सोना-चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

चांदी में 6 प्रतिशत से ज्यादा आया उछाल

नई दिल्ली, 28 जनवरी. बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें मजबूत खरीदारी की मांग, कमजोर डॉलर और बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव के बीच रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं, जिससे सेफ हेवन की मांग बढ़ गई. एमसीएक्स पर सोना और चांदी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए.

बुधवार सुबह कारोबार के दौरान. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंजऔर अंतरराष्ट्रीय बाजार. कौन- निवेशकों की मजबूत खरीदारी, सेंट्रल बैंकों और ईटीएफ प्रवाह का असर. क्यों- कमजोर डॉलर और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से सेफ-हेवन मांग बढ़ी. कैसे- वायदा कीमतों में तेज उछाल के जरिए. सुबह करीब 11.30 बजे एमसीएल सोने का फरवरी वायदा 2.97प्रतिशत चढ़कर 10 ग्राम के लिए 1,62,387 पर पहुंच गया. वहीं, एमसीएल चांदी का मार्च वायदा 6.21प्रतिशत उछलकर 3,78,401 प्रति किलोग्राम हो गया. अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना 5,200 प्रति औंस के ऊपर गया.

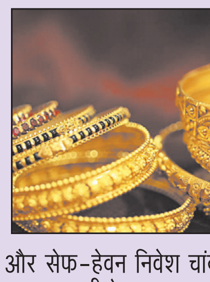

> सेंट्रल बैंक की खरीद और स्थिर ईटीएफ निवेश ने इस वर्ष सोने में लगभग 20प्रतिशत तेजी को सहारा दिया है, जबकि चांदी में इससे भी तेज बढ़त देखी गई. विश्लेषकों का कहना है कि सोलर, ईवी, एआई/डेटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर से औद्योगिक मांग के साथ महंगाई-हेज और सेफ-हेवन निवेश चांदी को मजबूती दे रहे हैं. निकट अवधि में मुनाफावसूली के बावजूद समग्र रुझान सकारात्मक बना हुआ है. तकनीकी स्तर पर सोने को रु. 1,55,050-रु.1,53,310 के दायरे में सपोर्ट और रु.1,59,850-रु. 1,61,950 पर रेजिस्टेंस बताया गया है. चांदी के लिए सपोर्ट 3,44,810 और 3,37,170, जबकि रेजिस्टेंस रु.3,61,810 और रु.3,65,470 पर है. अगला कदम- फेड की बैठक और डॉलर की चाल पर नजर रहेगी, जो आगे की दिशा तय करेगी.

एसीसी सीमेंट को तीसरी तिमाही में 404 करोड़ रुपये का मुनाफा

परिचालन से प्राप्त राजस्व 6,483 करोड़ और परिचालन लाभ 700 करोड़ रुपये

तिमाही के दौरान सीमेंट की बिक्री बढ़कर 113 लाख टन पर पहुंची

नई दिल्ली, 28 जनवरी. अडानी समूह की कंपनी एसीसी सीमेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 404 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है.

कंपनी ने बुधवार को जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 637 करोड़ रुपये के सरकारी अनुदान और आयकर पर 530 करोड़ रुपये के ब्याज को छोड़ दें, तो एक साल पहले सामान्य स्थिति आने के बाद उसे 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जबकि बीती तिमाही में सामान्य स्थिति आने के बाद शुद्ध लाभ 380 करोड़ रुपये रहा. इस प्रकार, शुद्ध मुनाफा 346 प्रतिशत बढ़ा है.

कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसका परिचालन से प्राप्त राजस्व 6,483 करोड़ रुपये और परिचालन लाभ 700 करोड़ रुपये रहा जो अपने-आप में रिकॉर्ड है. प्रति टन परिचालन लाभ 619 रुपये रहा. तिमाही के दौरान सीमेंट की बिक्री बढ़कर 113 लाख टन पर पहुंच गयी. तिमाही के दौरान कंपनी का नेटवर्थ 389 करोड़ रुपये बढ़कर

ऐतिहासिक निचले स्तर से उबरा रुपया, 22 पैसे मजबूत

मुंबई, 28 जनवरी. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर की तुलना में 22 पैसे मजूबत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 91.68 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 32.50 पैसे टूटकर 91.9050 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुई थी. आज रुपये में शुरू से ही तेजी रही. यह 8.50 पैसे की बढ़त में 91.82 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. बीच कारोबार में यह ऊपर 91.63 रुपये और नीचे 91.90 रुपये प्रति डॉलर तक गया. अंत में 22 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ. यूरोपीय संघ के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा से रुपया मजबूत हुआ है.

114 करोड़ ऑर्डर से एमआईसी में अपर सर्किट

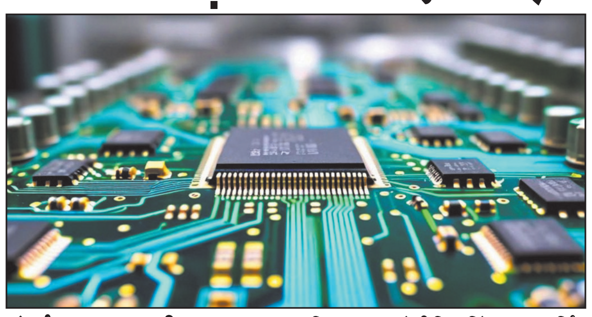

अटल नगर विकास प्राधिकरण से इंफ्रा वर्क का बड़ा ऑर्डर

डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण आदि कार्य सौंपे

मुंबई, 28 जनवरी- 114.10 **करोड़ का ऑर्डर मिलने के बाद एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर में 1प्रतिशत का अपर सर्किट लगा. बीएसई पर शेयर 38.94 तक पहुँचा.**

स्मॉलकैप कंपनी एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स. बुधवार के कारोबारी सत्र में. नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण से इंफ्रा वर्क का बड़ा ऑर्डर मिलने के कारण. कंपनी को सेक्टर 22 स्थित कॉमन फैसिलिटी सेंटर में डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग, एएमसी व मेंटेनेंस का कार्य सौंपा गया है, जिसे 10 महीनों में पूरा करना है. कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में बताया कि यह ऑर्डर निविदा प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हुआ है. ऑर्डर की खबर आते ही निवेशकों की रुचि बढ़ी और शेयर ऊपरी सर्किट पर लॉक हो गया. हालांकि, हालिया प्रदर्शन पर नजर डालें तो पिछले एक महीने में शेयर 13प्रतिशत से अधिक और तीन महीनों में करीब 30त्न गिरा है. एक वर्ष में इसमें 45प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि पांच वर्षों में इसने 3,473प्रतिशत का रिटर्न दिया है. इस बीच, कंपनी ने यह भी जानकारी दी कि उसका निदेशक मंडल 31 जनवरी 2026 को वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के नतीजों पर विचार करेगा. बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, तेज गिरावट के बाद आया यह उछाल खबर-आधारित प्रतिक्रिया हो सकती है. आगे, निवेशकों की नजर तिमाही परिणामों और ऑर्डर के निष्पादन की प्रगति पर रहेगी, जो शेयर की दिशा तय कर सकती है.

शेयर बाजारों में दूसरे दिन भी तेजी

बीएसई का सेंसेक्स 487 अंक उछला

मुंबई, 28 जनवरी. घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 487.20 **अंक चढ़कर 82,344.68 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-5 सूचकांक 167.35 अंक यानी \`.66 फीसदी की बढ़त में 25,342.75 अंक पर बंद हुआ.**

मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.65 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.26 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ. तेल एवं गैस, धातु, रसायन, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, रियलटी, मीडिया, ऑटो और आईटी सेक्टरों के सूचकांक बढ़त में रहे. एफएमसीजी, फार्मा और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक फिसल गये. सेंसेक्स की कंपनियों में बीईएल का शेयर नौ फीसदी के करीब मजबूत हुआ. इटरनल में पांच प्रतिशत से अधिक और बजाज फाइनेंस तथा पावरग्रिड में दो प्रतिशत से ज्यादा की तेजी रही. ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस, अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंड्स्ट्रीज और बजाज फिनसर्व के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े.

एफटीए की घोषणा से एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर प्रमुख सूचकांक

यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार संधि की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और प्रमुख सूचकांक एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक (0.60 प्रतिशत) चढ़कर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 167.35 अंक यानी 0.66 फीसदी की बढ़त में 25,342.75 अंक पर रहा. यह दोनों सूचकांकों का 19 जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है. मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.65 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.26 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ.

मारुति सुजुकी का मुनाफा 3 .68 प्रतिशत बढ़ा

तीसरी तिमाही में एकल आधार पर 3,794 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली, 28 जनवरी. देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में एकल आधार पर 3,794 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो सालाना आधार पर 3.68 प्रतिशत बढ़ा है.

कंपनी ने बुधवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की. उसने बताया कि तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 50,945.8 करोड़ रुपये रहा. यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 39,819.5 करोड़ रुपये के मुकाबले 27.94 प्रतिशत अधिक है. कंपनी ने बताया कि कच्चे माल पर लगात में तेज बढ़ोतरी से राजस्व की तुलना में उसके कुल व्यय में ज्यादा इजाफा हुआ है. इसलिए, शुद्ध लाभ में मामूली वृद्धि दर्ज की गयी. मारुति सुजुकी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वस्तु एवं सेवा कर में पिछले साल सितंबर में किये गये सुधारों के कारण उसने तिमाही बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया. उसके यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री एक साल पहले की 4,66,993 इकाई से बढ़कर 5,64,669 इकाई पर पहुंच गयी. कुल 97,676 इकाई की वृद्धि में 68,328 इकाई छोटी कारें हैं जिन पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है. साथ ही, तिमाही के दौरान कंपनी का निर्यात भी 1,03,100 इकाई पर रहा.

सिगरेट की बिक्री में कर बढ़ने से गिरावट संभव : क्रिसिल

नई दिल्ली, 28 जनवरी. सिगरेट पर 01 फरवरी से बढ़े कर, शुल्क एवं अधिभारों के कारण अगले वित्त वर्ष में इसकी बिक्री में छह से आठ प्रतिशत की गिरावट की आशंका है. साख निर्धारक एवं बाजार अध्ययन एजेंसी क्रिसिल ने बुधवार को जार एक रिपोर्ट में यह बात कही है. रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत सिगरेट पर 28 प्रतिशत कर है. साथ ही कई तरह से अधिभार भी लगाये जाते हैं. आगामी 01 फरवरी से क्षतिपूर्ति अधिभार समाप्त हो जायेगा.

तिरंगा फहराकर संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, 28 जनवरी. एनबीसीसी ने नई दिल्ली के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया.

इस आयोजन का शुभारंभ श्री के. पी. महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी द्वारा राष्ट्रीय तिरंगे को फहराने के साथ किया गया. इस अवसर पर श्री अंजीव कुमार जैन, निदेशक (वित्त), वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे. इस अवसर पर राष्ट्रीय गान गाया गया. सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी ने स्वतंत्रता को प्राप्त करने हेतु किए गए बलिदानों को याद किया तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए समर्पण और निष्ठा के साथ निरंतर कार्य करने पर बल दिया. उन्होंने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और गुणवत्ता एवं सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया. उन्होंने 77 वें गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर भारत के संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की भी पुन: पुष्टि की.

समाचार विशेष

राहुल से नाराजगी या नई खिचड़ी?

मीटिंग छोड़ने के बाद मोदी-संघ की तारीफ

कोझिकोड . कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जो सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है. अपनी ही पार्टी नेतृत्व से नाराजगी की खबरों के बीच थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को लेकर बड़ी बात कही है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी संविधान को पवित्र मानते हैं और समय के साथ आरएसएस ने भी इसे अपना लिया है.

कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल में दर्शकों के एक सवाल का जवाब देते हुए थरूर ने ये बातें कहीं. यह बयान ऐसे वक्त आया है जब वे केरल चुनाव की तैयारियों को लेकर बुलाई गई कांग्रेस हाईकमान की अहम बैठक में शामिल नहीं हुए थे. इससे उनके और पार्टी लीडरशिप के बीच अनबन की अटकलें और तेज हो गई हैं, हालांकि उनके कार्यालय ने इसकी अलग वजह बताई है.

मोदी ने संविधान को माना 'पवित्र किताब'

शशि थरूर ने 2014 के दौर को याद करते हुए कहा कि जब बीजेपी सत्ता में आई थी, तब ऐसी चर्चाएं आम थीं कि वे संविधान को खत्म कर देंगे और एक नया संविधान लाएंगे. खबरें तो यहां तक थीं कि आरएसएस के विचारक गोविंदाचार्य एक नए संविधान का ड्राफ्ट तैयार कर रहे हैं. इन सबके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में अपने पहले भाषण में साफ घोषणा की कि संविधान ही उनकी एकमात्र पवित्र किताब है. थरूर ने जोर देकर कहा कि पीएम मोदी का संदेश साफ था कि वह संविधान को पवित्र मानते हैं. इसका नतीजा यह हुआ कि आरएसएस जैसे संगठन, जिनके वैचारिक पूर्वजों ने कभी इसे साफ तौर पर नकार दिया था, उन्होंने भी अब इसे अपना लिया है.

> **निकाले जा रहे बयान के सियासी मायने**
>
> शशि थरूर के इस बयान के सियासी मायने इसलिए भी निकाले जा रहे हैं क्योंकि शुक्रवार को केरल विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर कांग्रेस हाईकमान की अहम बैठक हुई, लेकिन थरूर उसमें शामिल नहीं हुए. इस गैरमौजूदगी ने कांग्रेस नेतृत्व के साथ उनके मतभेद की खबरों को हवा दे दी है. हालांकि, थरूर के कार्यालय ने सफाई दी है कि कोझिकोड में साहित्य महोत्सव में पहले से तय कार्यक्रम के कारण वे बैठक में शामिल होने में असमर्थ थे और इसकी जानकारी पार्टी को दे दी गई थी. वहीं, दूसरी तरफ सूत्रों का दावा है कि थरूर की नाराजगी की वजह कुछ और है.

एनएसयूआई की राजनीति में अपनों ने ही घेरा!

क्या अध्यक्ष विनोद जाखड़ की अध्यक्षी जाएगी?

जयपुर. राजस्थान की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ को उनके ही संगठन ने कटघरे में खड़ा कर दिया. अनुशासन का डंडा चलाते हुए संगठन ने जाखड़ को कारण बताओ नोटिस थमाया है, जिसमें साफ शब्दों में लिखा है कि जवाब दो, वरना छुट्टी के लिए तैयार रहो.

इस विवाद की शुरुआत 22 जनवरी से हुई जब विनोद जाखड़ ने संगठन में कुछ नियुक्तियां कर दीं. नोटिस जारी करने वाले एनएसयूआई के राजस्थान प्रभारी अखिलेश यादव का कहना है कि जाखड़ को पहले ही चेतावनी दी गई थी कि प्रभारी की अनुमति और हस्ताक्षर के बिना कोई भी नियुक्ति मान्य नहीं होगी. इसके बावजूद जाखड़ ने आदेश जारी कर संगठन के नियमों को ठेंगा दिखाया. अब दो दिनों के भीतर उन्हें लिखित सफाई देनी होगी, वरना उनकी अध्यक्ष की कुर्सी छिन सकती है.

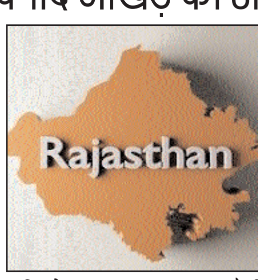

अंदरूनी खींचतान आई बाहर- यह मामला केवल एक नोटिस तक सीमित नहीं है. सूत्रों की मानें तो एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विनोद जाखड़ के बीच लंबे समय से कोल्ड वॉर चल रहा है. जाखड़ को संगठन के एक अन्य दिग्गज राष्ट्रीय नेता का करीबी माना जाता है, जो वर्तमान नेतृत्व को रास नहीं आ रहा. लंबे समय से उन्हें नियुक्तियों की अनुमति नहीं मिल रही थी, और जैसे ही उन्होंने कदम उठाया, उसी दिन नोटिस थमाकर चेक-मेट कर दिया गया.

> **कांग्रेस केलिए बढ़ी मुश्किलें?**
>
> राजस्थान यूथ कांग्रेस की कार्यकारिणी भंग होने के बाद अब एनएसयूआई का यह कलह कांग्रेस के लिए सिरदर्द बन चुका है. छात्र राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि क्या जाखड़ सरेंडर करेंगे या यह बगावत किसी नए सियासी मोड़ की ओर ले जाएगी? फिलहाल, जाखड़ खामोश हैं, लेकिन यह खामोशी किसी बड़े तूफान का संकेत हो सकती है.

बिहार विधानसभा चुनाव का साइड इफेक्ट

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी की करारी हार के लिए पार्टी नेता नेतृत्व पर सवाल उठाने लगे हैं. आरजेडी के वरिष्ठ नेता और विधायक भाई वीरेंद्र ने हार का ठिकरा नेतृत्व पर फोड़ दिया है. उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा है कि भीतरघात के कारण पार्टी को इतना बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है और ऐसे लोगों को आरजेडी से बाहर जाना होगा.

मनेर के आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा है कि चुनाव में पार्टी के पुराने नेताओं का टिकट काटा गया और उनकी जगह नए चेहरों को टिकट दे दिया गया. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ विजय मंडल का सवाल नहीं है. तीन जिला एक व्यक्ति के अंडर में था, जिसने तीनों जिला को बेच दिया. यह जांच का विषय है कि कैमूर, रोहतास और बक्सर जिला की जिम्मेवारी किन लोगों को दी गई थी. बक्सर जिला से एक मात्र सीट आई.

आरजेडी विधायक ने कहा कि हम जब भी कोई बात बोलते हैं तो सोच समझकर बोलते हैं और अपनी बात पर मैं अडिग रहता हूं. मैं कोई बगावत नहीं कर रहा हूं बल्कि सच्चाई को बयां किया है.

विशेष 2029 से पहले होगा खेल, योगी-शाह में किसकी राह मुश्किल करेंगे नबीन?

नरेंद्र मोदी के बाद कौन बनेगा प्रधानमंत्री?

नई दिल्ली. नितिन नबीन को जब से भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया तब से हर कोई यह डिकोड करने में लगा हुआ है कि आखिर 1 करोड़ कार्यकर्ताओं वाली पार्टी में नितिन नबीन को ही क्यों कमान दी गई.

आने वाले समय में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं. लेकिन नितिन नबीन का इन तीनों ही राज्यों से ताल्लुक नहीं है. इसके साथ ही नितिन नबीन कायस्थ परिवार से आते हैं. यानी वह सवर्ण कैटेगरी से हैं, जो कि पहले से ही बीजेपी का कोर वोटर माना जाता है. ऐसे में अन्य कैटेगरीज को लुभाने वाला चेहरा चाहिए था पर ऐसा नहीं किया गया. लेकिन अब सियासी फिजाओं से उनके अध्यक्ष बनाने के पीछे का मकसद सुगबुगाहट बनकर बाहर आने लगा है.

वरिष्ठ राजनैतिक पत्रकार विश्व दीपक ने नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाए जाने के पीछे की एक दिलचस्प कहानी बताई है. उन्होंने एक ब्लॉग में लिखा कि असल में नबीन उस शतरंज का छोटा सा प्यादा हैं, जिसकी बिसात पर 2029 लोकसभा चुनाव के पहले बड़ा सियासी खेल खेला जाने वाला है. उन्होंने आगे लिखा कि उस खेल की गोटियां अभी से सेट की जा रही हैं. उन्होंने इस खेल का नाम 'मोदी के बाद कौन बनेगा पीएम?' बताया है. जिसके पहले खिलाड़ी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे तो दूसरी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ. हो सकता है कि कोई डार्क हॉर्स बनकर भी आ जाए, लेकिन ऐसा शायद ही होगा.

मोदी के उत्तराधिकारी होंगे अमित शाह!

विश्व दीपक लिखते हैं कि पहले तो ऐसा नहीं लगता था पर इधर बीच अमित शाह की बॉडी लैंग्वेज, मीडिया-जनता के साथ उनका संवाद आदि देखकर पता चलता है कि वो अपने आप को मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर पेश कर रहे हैं. मोदी की विरासत पर मेरा दावा है- ऐसा अमित शाह की भाव भंगिमाओं से स्पष्ट होता है. ऐसा होना स्वाभाविक भी है. क्योंकि वो मोदी के सबसे भरोसेमंद और सबसे पुराने दोस्त, सहकर्मी हैं.

> **हिंदुत्ववादी विरासत के दावेदार योगी!**
>
> दूसरी तरफ सीएम योगी आदित्यनाथ स्वयं को भाजपा और संघ की हिंदुत्व वाली विरासत का असली दावेदार मानते हैं. इस मामले में उनको कोई चुनौती भी नहीं दे सकता है. इस परिप्रेक्ष्य में देखा जाय तो बीजेपी का अगला अंत- संघर्ष मोदी की विरासत बनाम हिंदुत्व की सियासत के बीच होगा. विश्व दीपक ने आगे लिखा कि जनाधार हीन और 12वीं पास विधायक नितिन नबीन की भूमिका इस संघर्ष में हालांकि बहुत छोटी है, लेकिन मौका पड़ने पर अहम हो जाएगी. क्योंकि राजनीति में कई बार नगण्य होना अहम हो जाता है. नबीन जीरो थे इसी वजह से उन्हें हीरो बना दिया गया.